Calcutta Port Trust Employees’ (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1987

Sanskrit/ Amendments:–

1. जी एस आर सं. 474 (एफ) दिनांक 20 अप्रेल, 1988
   GSR No. 474 (F) dated 20th April 1988
2. जी एस आर सं. 372(ई) दिनांक 27 मार्च, 1992
   GSR No. 372 (E) dated 27th March 1992
3. जी एस आर सं. 223(ई) दिनांक 26 मार्च, 2004
   GSR No. 223 (E) dated 26th March 2004
4. जी एस आर सं. 284(ई) दिनांक 12 मई, 2006
   GSR No. 284 (E) dated 12th May 2004

Kolkata Port Trust
3. परिधानः - ऐसे विनियमों के अंतर्गत विद्यार्थी संख्या के प्राप्ति विनियम न हो,
   (i) "प्रविधिक" से प्रविधिक, वेबसाइट पर डाउनलोड, 1963 वर्ष,
   (ii) "बोर्ड", "प्रविधिक", "शिक्षामंडल", "शिक्षणमंडल", के अन्य संवेदना
   हो जिसमें प्रविधिक से व्याख्यात हो नहीं है।
   (iii) गृहकारक प्रविधिकः - गृहकारक प्रविधिक ने तालिका
        जो विनियम के प्रविधिक "क" में विनियम प्राप्ति है।

4. शिक्षक बनना - ऐसे विनियमों में विनियम प्राप्ति का प्रश्न है और सही
   साथी के तौर पर प्राप्ति करने के लिए विद्यार्थी होते हैं।

5. प्रश्न बनना - ऐसे विनियमों का प्रश्न की बैठक को विनियम न हो
   जो नीचे विनियम की बैठक को विनियम नहीं है।
   (i) "प्रविधिक" से प्रविधिक, वेबसाइट पर डाउनलोड, 1963 वर्ष,
   (ii) "बोर्ड", "प्रविधिक", "शिक्षामंडल", "शिक्षणमंडल", के अन्य संवेदना
   हो जिसमें प्रविधिक से व्याख्यात हो नहीं है।
   (iii) गृहकारक प्रविधिकः - गृहकारक प्रविधिक ने तालिका
        जो विनियम के प्रविधिक "क" में विनियम प्राप्ति है।

6. बोर्ड के शाखें का विनियम निश्चित करने का प्रश्न है और सही
   साथी के तौर पर प्राप्ति करने के लिए विद्यार्थी होते हैं।

7. बोर्ड के शाखें का विनियम निश्चित करने का प्रश्न है और सही
   साथी के तौर पर प्राप्ति करने के लिए विद्यार्थी होते हैं।

8. बोर्ड के शाखें का विनियम निश्चित करने का प्रश्न है और सही
   साथी के तौर पर प्राप्ति करने के लिए विद्यार्थी होते हैं।
(vi) यह निर्देश के सारे कस्बे देखने में लागू होगा और निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(vii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(viii) निर्देश समाप्त होगा।

(v) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iv) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(ii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(i) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(x) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(ix) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(viii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(vii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(vi) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(v) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iv) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(ii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(i) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(x) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(ix) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(viii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(vii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(vi) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(v) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iv) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(ii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(i) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(x) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(ix) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(viii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(vii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(vi) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(v) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iv) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(ii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(i) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(x) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(ix) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(viii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(vii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(vi) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(v) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iv) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(ii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(i) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(x) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(ix) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(viii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(vii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(vi) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(v) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iv) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(ii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(i) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(x) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(ix) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(viii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(vii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(vi) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(v) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iv) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(iii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(ii) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।

(i) निर्देश के सारे कस्बे में लागू होगा।
(3) नहीं भूत्तात्मिक प्रशासकों के अन्य कर्मचार व अन्य के लिए, अंतर्गत प्रशासकों की नियुक्ति करना पड़े, यदि यह विषय में निर्णय किया गया है, कि वह वर्तमान या पूर्व ऊपरी या मध्यवर्ती सहभागिता प्रमाण के पास है प्रत्येक भारत कहा गया है।

(4) नहीं, अन्य कर्मचार नियुक्ति करा। अंतर्गत प्रशासकों के प्रारंभ के प्रमाण के निर्णय से कार्यकर्ता किया गया है।

(5) भूत्तात्मिक प्रशासकों के विभाग के अन्तर्गत प्रशासकों के प्रारंभ के प्रमाण के निर्णय से कार्य किया गया है।

(6) संचालन प्रशासकों के प्रारंभ के प्रमाण के निर्णय से कार्य किया गया है।

(7) भूत्तात्मिक प्रशासकों के प्रारंभ के प्रमाण के निर्णय से कार्य किया गया है।

(8) संचालन प्रशासकों के प्रारंभ के प्रमाण के निर्णय से कार्य किया गया है।

(9) संचालन प्रशासकों के प्रारंभ के प्रमाण के निर्णय से कार्य किया गया है।

(10) संचालन प्रशासकों के प्रारंभ के प्रमाण के निर्णय से कार्य किया गया है।
(ii) जब प्रयूपक्ष भाषाएँ हैं तो वे वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण हैं।

(2) यदि दृष्टि ने जीवन का आधार बनाया है, तो इस दृष्टि से धार्मिक महत्व का ध्यान दिया जाना चाहिए।

(3) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(4) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(5) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(6) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(7) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(8) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(9) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(10) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(11) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(12) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(13) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(14) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(15) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(16) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(17) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(18) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(19) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(20) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(21) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(22) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(23) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(24) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(25) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(26) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(27) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(28) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(29) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।

(30) धार्मिक शिक्षा का महत्व यह है कि यह वास्तव में धार्मिक बुद्धिमत्ता के लिए अधिक महत्वपूर्ण है।
(1) यहाँ क्रमांकों की पहली एक मानदंड को प्राप्त करने के लिए उपलब्ध मानदंडों के रूप में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न अधिनियम का प्रयोग किया गया है।

(2) यहाँ क्रमांकों की द्वितीय का प्राप्ति के लिए उपलब्ध मानदंडों के रूप में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न अधिनियम का प्रयोग किया गया है।

(3) यहाँ क्रमांकों की तीनवीं का प्राप्ति के लिए उपलब्ध मानदंडों के रूप में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न अधिनियम का प्रयोग किया गया है।

(4) यहाँ क्रमांकों की चौथी का प्राप्ति के लिए उपलब्ध मानदंडों के रूप में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न अधिनियम का प्रयोग किया गया है।

(5) यहाँ क्रमांकों की पाँचवीं का प्राप्ति के लिए उपलब्ध मानदंडों के रूप में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न अधिनियम का प्रयोग किया गया है।

(6) यहाँ क्रमांकों की छठी का प्राप्ति के लिए उपलब्ध मानदंडों के रूप में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न अधिनियम का प्रयोग किया गया है।

(7) यहाँ क्रमांकों की साथी का प्राप्ति के लिए उपलब्ध मानदंडों के रूप में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न अधिनियम का प्रयोग किया गया है।

(8) यहाँ क्रमांकों की सातवीं का प्राप्ति के लिए उपलब्ध मानदंडों के रूप में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न अधिनियम का प्रयोग किया गया है।
13. केवल तर्कवादी से उपर निलग एवं भौतिकीयों के करों

(1) निर्दिष्ट ऐसे विषयों के लिए थ्रिनल नीलकंठ उपर निर्मिति जीत, जीत या यूजुराल करते हुए या सांगतिक करते हुए या यूजुराल करते हुए या भौतिक करते रहते है। ज्ञात निर्मिति और यूजुराल करने की रचना तो वही और वही निर्मिति की रचना, जीत करते हुए, जीत करते रहते हैं। 

एक ऐसी निर्मिति या यूजुराल करते हुए या सांगतिक करते हुए या भौतिक करते रहते है। 

(2) ऐसे उपर निलग का समासन के निर्दिष्ट बाग़मतीय बीज यूजुराल साधनीय के निर्मिति के खादय पर——

(1) निर्दिष्ट भौतिक साधनीय का या है कि निर्मिति 7 के या (v) ते (iv) की वजह साधनीय की बाइस बाइस है जहां उपर निलग करते रहते हैं। जिस निर्मिति की रचना तो वही निर्मिति की रचना तो वही जीत उपर निलग करते रहते हैं। 

(1) निर्दिष्ट भौतिक साधनीय का या है कि निर्मिति 7 के या (v) ते (iv) की वजह साधनीय की बाइस बाइस है जहां उपर निलग करते रहते हैं। जिस निर्मिति की रचना तो वही निर्मिति की रचना तो वही जीत उपर निलग करते रहते हैं। 

(1) निर्दिष्ट भौतिक साधनीय का या है कि निर्मिति 7 के या (v) ते (iv) की वजह साधनीय की बाइस बाइस है जहां उपर निलग करते रहते हैं। जिस निर्मिति की रचना तो वही निर्मिति की रचना तो वही जीत उपर निलग करते रहते हैं।
18. प्रत्येक वातावरण — कोई भी कृषि क्रिया विविध में या या स्थान में रहा पाक़ता या रहेगा नहीं है चानिया है, जो विनिमय के द्वारा प्रत्येक कर सकता है—

(i) विनिमय मार्गदर्शक के द्वारा विनियम प्रदान के गतिविधि का आदेश किया है जनवरी में से सर्व समूह के साधनों की।

(ii) विनिमय 7 में विनिमय कोई जब के बाद के मार्गदर्शक के द्वारा इस प्रातः वर्ष में निर्दिष्ट मार्गदर्शक है।

(iii) विनिमय 15 में निर्दिष्ट मार्गदर्शक को सभी की मार्गदर्शक के द्वारा अन्य मार्गदर्शक के लिए है, जिन्होंने विनिमय के सभी को प्रातः मार्गदर्शक की स्थिति में अधिकार करने का आदेश किया है।

17. विनिमय प्रतिष्ठान — (i) विनिमय 16 में सिध्द होगा कि सभी संसार के सभी सभी मार्गदर्शक के लिए मार्गदर्शक मार्गदर्शक होने के लिए सभी सीमित कार्यक्षेत्र जिसे अनुमोदित मार्गदर्शक के कार्यक्षेत्र ने इसी प्रकार चालू किया है।

(ii) कहने के लिए वह सार्थक है कि सभी संसार के सभी सीमित कार्यक्षेत्र का अन्तर्गत करता है, जो सभी मार्गदर्शक के लिए मार्गदर्शक मार्गदर्शक होता है।

पत्र—

18. प्रत्येक कर्मचारी के लिए गति शीर्ष — वह तभी का अन्तर्गत है, जब सभी संसार के सभी सीमित कार्यक्षेत्र का अन्तर्गत है, जब सभी मार्गदर्शक के लिए मार्गदर्शक मार्गदर्शक होता है।

19. प्रत्येक कर्मचारी के लिए जन्म अवधि — (1) प्रत्येक प्रतिष्ठान के लिए जन्म अवधि के लिए कार्य किया है।

(ii) प्रतिष्ठान ऐसे अधिकारी के लिए मार्गदर्शक करता चाहिए, जो सभी मार्गदर्शक के लिए प्रतिष्ठान के लिए अधिकारी करता है।
25. परराज्य (परराज्य) — (i) यदि विनियमों में किसी क्षेत्र के लिए कोई विनियम न हो, तो वह विनियम के लिए कोई विनियम नहीं होगा। (ii) यदि विनियम के लिए कोई विनियम हो, तो कभी कभी विनियम के लिए कोई विनियम नहीं होगा।

25. विनियम (विनियम) — (i) यदि विनियमों में किसी क्षेत्र के लिए कोई विनियम न हो, तो वह विनियम के लिए कोई विनियम नहीं होगा। (ii) यदि विनियम के लिए कोई विनियम हो, तो कभी कभी विनियम के लिए कोई विनियम नहीं होगा।

25. विनियम (विनियम) — (i) यदि विनियमों में किसी क्षेत्र के लिए कोई विनियम न हो, तो वह विनियम के लिए कोई विनियम नहीं होगा। (ii) यदि विनियम के लिए कोई विनियम हो, तो कभी कभी विनियम के लिए कोई विनियम नहीं होगा।

25. विनियम (विनियम) — (i) यदि विनियमों में किसी क्षेत्र के लिए कोई विनियम न हो, तो वह विनियम के लिए कोई विनियम नहीं होगा। (ii) यदि विनियम के लिए कोई विनियम हो, तो कभी कभी विनियम के लिए कोई विनियम नहीं होगा।

25. विनियम (विनियम) — (i) यदि विनियमों में किसी क्षेत्र के लिए कोई विनियम न हो, तो वह विनियम के लिए कोई विनियम नहीं होगा। (ii) यदि विनियम के लिए कोई विनियम हो, तो कभी कभी विनियम के लिए कोई विनियम नहीं होगा।
नियम 3 (ii) रेखाएँ

1. ह. 2400- लेखन के प्रथिक पाने वाले कंपनियों

बर्दाला पत्र महादेव विभाग के कार्यालयों के लिए उपस्थित होने के लिए, भारतीय अधिसूचना चौकी द्वारा निर्देशन किया गया है।

2. ह. 1979- लेखन के प्रथिक पाने वाले कंपनियों

कृपया यह मानना याद रखें कि उपस्थित होने के लिए, भारतीय अधिसूचना चौकी द्वारा निर्देशन किया गया है।

3. ह. 979- लेखन के प्रथिक पाने वाले कंपनियों

कृपया यह मानना याद रखें कि उपस्थित होने के लिए, भारतीय अधिसूचना चौकी द्वारा निर्देशन किया गया है।

4. ह. 979- लेखन के प्रथिक पाने वाले कंपनियों

कृपया यह मानना याद रखें कि उपस्थित होने के लिए, भारतीय अधिसूचना चौकी द्वारा निर्देशन किया गया है।

रिपोर्टें

उपरोक्त नियम 5 रेखाएँ

कृपया यह मानना याद रखें कि उपस्थित होने के लिए, भारतीय अधिसूचना चौकी द्वारा निर्देशन किया गया है।

1. ह. 3700- लेखन के प्रथिक पाने वाले कंपनियों

2. ह. 2100- लेखन के प्रथिक पाने वाले कंपनियों

3. ह. 1679- लेखन के प्रथिक पाने वाले कंपनियों

4. ह. 1679- लेखन के प्रथिक पाने वाले कंपनियों
MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT
(Port Wing)
New Delhi, the 10th August, 1987
NOTIFICATION

G.S.R. 700(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124, read with sub-section (1) of section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Calcutta Port Trust Employees’ (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1987 made by the Board of Trustees for the Port of Calcutta and set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F.No. PWPER-7.83]
P. M. ABRAHAM, Addl. Secy.

SCHEDULE

In exercise of the powers conferred by section 28 read with Section 124 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), and in supersession of the existing rules on the subject, the Board of Trustees of the Port of Calcutta, hereby makes the following Regulations, namely:

PART I—GENERAL

1. Short title and commencement.—These regulations may be called the Calcutta Port Trust Employees’ (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1987.

2. Application.—(i) These regulations shall apply to all employees of the Board except—

(a) persons in casual employment

(b) persons subject to discharge from service on less than one month’s notice.

(ii) Special provision by agreement.—Where it is considered necessary to make special provisions in respect of an employee in conflict with any of these regulations the authority competent to make the appointment may, by agreement with the employee and subject to the approval of the Board, make such special provisions and thereupon these regulations shall not apply to such employee to the extent to which the special provisions made are inconsistent therewith:

Provided that in respect of an employee holding Class I post, the previous approval of the Central Government to such special provisions shall be obtained by the Board.

(iii) Protection of rights and privileges conferred by any law or agreement.—Nothing in these regulations shall operate to deprive any right or privilege to which an employee is entitled:

(a) by or under any law for the time being in force, or

(b) by the terms of any agreement subsisting between such person and the Board at the commencement of these regulations.

3. Definitions.—In these regulations unless there is anything repugnant in the subject or context—

(i) “Act” shall mean the Major Port Trusts Act, 1963.

(ii) “Board”, “Chairman”, “Deputy Chairman” and “Head of a Department” shall have the same meaning as assigned to them respectively in the Act.

(iii) Disciplinary Authority.—Disciplinary Authority in relation to an employee shall mean the authority prescribed as such in Schedule “A” annexed to these Regulations.

(iv) Appellate Authority.—Appellate Authority in respect of an order passed by a Disciplinary Authority shall mean the Authority prescribed as such in these regulations.

(v) “Employee” shall mean an employee of the Board in any post or capacity and also include any such persons on foreign service or whose services are temporarily placed at the disposal of the Board and also any person in the service of the Central or State Government or a local or other authority whose services are temporarily placed at the disposal of the Board.

PART II—CLASSIFICATION OF POSTS

4. Posts under the Board shall be classified as follows:—

(1) Class I Posts:

(a) All posts of Heads of Departments.

(b) All posts carrying pay or scale of pay (excluding of allowances), the maximum of which is Rs. 1,980 per month or more.

(c) All posts not covered by (a) and (b) above especially declared to be Class I Posts by the Board.

(2) Class II Posts:

(a) All posts carrying pay or scale of pay (excluding of allowances), the maximum of which is more than Rs. 1,679 per month but less than Rs. 1,980 per month.

(b) All posts not covered by (a) above especially declared to be Class II Posts by the Board.

(3) Class III Posts:

(a) All posts carrying pay or scale of pay (exclusive of allowances) the maximum of which is more than Rs. 927 per month but does not exceed Rs. 1,679 per month.

(b) All posts not covered by (a) above especially declared as Class III Posts by the Board.
(4) Class IV posts:
All posts carrying pay or scale of pay (exclusive of allowances) the maximum of which is Rs. 927 or below per month, excepting those especially declared otherwise by the Board.

5. Appointing Authorities.—The powers of appointing any person to any post, whether temporary or permanent, under the Board shall be exercisable by the Appointing Authorities specified in schedule 'B' hereto. Provided that the power to make appointment to such posts exercisable by an Authority specified in the said schedule may also be exercised by another Authority higher than that Authority.

PART III—SUSPENSION

6. Suspension.—(i) The Appointing Authority or any Authority to which it is subordinate or the Disciplinary Authority in relation to an employee may place under suspension—

(a) an employee against whom disciplinary proceedings are contemplated or are pending, or
(b) an employee against whom a case in respect of any criminal offence is under investigation or trial.

Provided that no such order in relation to an employee referred to in Clause (a) of sub-Section (i) of Section 24 of the Act shall have effect until it is approved by the Central Government.

(ii) An employee who is detained in custody, whether on a criminal charge or otherwise, for a period exceeding forty-eight hours, shall be deemed to have been suspended by an order of the appropriate authority with effect from the date of detention and shall remain under suspension, until further orders.

(iii) Where a penalty of dismissal, removal or compulsory retirement from service imposed upon an employee under suspension is set aside in appeal or on review under these regulations and the case is remitted for further enquiry or action or with any other directions, the order of his suspension shall be deemed to have continued in force on and from the date of the original order of dismissal, removal or compulsory retirement and shall remain in force until further orders.

(iv) Where a penalty of dismissal, removal or compulsory retirement from service imposed upon an employee as a penalty is set aside or declared or rendered void in consequence of or by a decision of a court of law and the disciplinary authority on a consideration of the circumstances of the case, decides to hold a further enquiry against the employee on the allegations on which the penalty of dismissal, removal or compulsory retirement was originally imposed, the employee shall be deemed to have been placed under suspension by the appropriate authority from the date of the original order of dismissal, removal or compulsory retirement and shall continue to remain under suspension, until further orders.

Provided that no such further enquiry shall be ordered unless it is intended to meeting a situation where the Court has passed an order purely on technical grounds without going into the merits of the case.

(v) (a) An order of suspension made or deemed to have been made under this regulation shall continue to remain in force until it is modified or revoked by the authority competent to do so.
(b) Where an employee is suspended (whether in connection with any disciplinary proceedings or otherwise) and any other disciplinary proceedings is commenced against him during the continuance of that suspension, the authority competent to place him under suspension may, for reasons to be recorded in writing, direct that the employee shall continue to be under suspension until the termination of all or any of such proceedings.
(vi) An order of suspension made or deemed to have been made under this regulation may at any time be revoked by the authority which made or is deemed to have made the order or by any authority to which that authority is subordinate.

PART IV

Nature of penalties

7. The following penalties may, for good and sufficient reasons and as hereinafter provided be imposed on an employee, namely:

Minor penalties:
(i) Censure;
(ii) Withholding of his promotion;
(iii) Recovering from his pay of the whole or part of any pecuniary loss caused by him to the Board by negligence or breach of orders;
(iv) Withholding of increments of pay.

Major penalties:
(v) Reduction to a lower stage in a time-scale of pay for a specified period with further directions as to whether or not the employee will earn increments of pay during the period of such reduction and whether on the expiry of such period, the reduction will or will not have the effect of postponing the future increments of his pay;
(vi) Reduction to a lower time-scale of pay, grade or posts which shall ordinarily be a bar to the promotion of the employee to the time-scale of pay, grade or posts from which he was reduced with or without further directions regarding conditions of restoration to the time-scale, grade or post from which the employee was reduced and his seniority and pay on such restoration to that time-scale, grade or posts;
(vii) Compulsory retirement;

(viii) Removal from service which shall not be a disqualification for future employment under the Board.

(ix) Dismissal from service which shall ordinarily be a disqualification for future employment under the Board.

Explanation.—The following shall not amount to a penalty within the meaning of this regulation:

(i) withholding of increments of an employee for failure to pass a departmental examination in accordance with the regulations or orders governing the posts which he holds or the terms of his appointment;

(ii) stoppage of an employee at the efficiency bar in the time-scale on the ground of his unfitness to cross the bar;

(iii) non-promotion whether in a substantive or officiating capacity of an employee after consideration of his case to a grade or posts, for promotion to which he is eligible;

(iv) reversion to lower grade or posts of an employee officiating in a higher grade or posts on the ground that is considered, after a trial, to be unsuitable for such higher grade or post or on any administrative ground unconnected with his conduct;

(v) reversion to his permanent grade or posts of an employee appointed on probation to another grade or posts during or at the end of the period of the probation in accordance with the terms of his appointment or the regulations and orders governing probation;

(vi) replacement of the services of an employee whose services have been borrowed from the Central Government or State Government or an authority under the control or the Central Government or State Government at the disposal of the authority which lent his service;

(vii) compulsory retirement of an employee in accordance with the provisions relating to his superannuation or retirement;

(viii) termination of the services—

(a) of an employee appointed on probation during or at the end of the period of probation in accordance with the terms of his appointment or the regulations and orders governing probation;

(b) of an employee employed under an agreement in accordance with the terms of such agreement;

(c) of a temporary employee in accordance with the orders governing such employee.

(d) of an employee on reduction of Establishment.

(2) The punishment mentioned in clause (III) of Regulation 7 above is subject to the provisions of the Payment of Wages Act, 1936, and the Minimum Wages Act, 1948.

7A. Penalty for misconduct committed prior to recruitment—

The penalties specified in Regulations 7 may, for good and sufficient reason, as hereinafter provided, be imposed on an employee appointed through direct recruitment in respect of misconduct committed before he has employment if the misconduct was of such a nature as has reasonable connection with his present employment and renders him unfit or unsuitable for continuing in service.

7B. Disciplinary authorities—

The authorities mentioned in the schedule 'A' shall be competent to impose penalties on the employees as indicated in the said schedule.

Provided that the Central Government may impose any of the penalties mentioned in regulation 7 on any employee of the Port.

7C. Authority to institute proceedings—

(1) The Chairman may—

(a) institute disciplinary proceedings against any employee;

(b) direct a disciplinary authority to institute disciplinary proceedings against any employee on whom that disciplinary authority is competent to impose under these regulations any of the penalties specified in Regulations 7.

(2) A disciplinary authority competent under these regulations to impose any of the penalties specified in clauses (i) to (vi) of Regulation 7 may institute disciplinary proceedings against any employee for the imposition of any of the penalties specified in clauses (vii) to (ix) of Regulation 7 notwithstanding that such disciplinary authority is not competent under these regulations to impose any of the latter penalties.

8. Procedure for imposing major penalties—

(1) No order imposing any of the major penalties specified in clauses (v) to (viii) of regulation 7 shall be made except after an enquiry is held in accordance with this regulation.

(2) Whenever the disciplinary authority is of the opinion that there are grounds for inquiring into the truth of any imputation of misconduct or misbehaviour against an employee, it may appoint any Board of Enquiry or an Enquiring Officer (hereinafter called the Enquiring Authority) to enquire into the truth thereof.

(3) Where the Disciplinary Authority itself enquires or appoints an Enquiring Authority for holding an enquiry, it may, by an order, appoint any person to be known as the "Presenting Officer" to present on its behalf the articles of charge.
(4) Where it is proposed to hold an inquiry, the disciplinary authority shall draw up—

(i) The substance of the imputations of misconduct or misbehaviour into definite and distinct articles of charge;

(ii) a statement of imputation of misconduct or misbehaviour in support of each article of charge;

(iii) a list of documents by which, and a list of witnesses by whom, the articles of charge are proposed to be sustained.

(5) The disciplinary authority shall deliver or cause to be delivered to the employee a copy of the article of charge, the statement of imputation of misconduct or misbehaviour, and a list of documents and witnesses by which each article of charge is proposed to be sustained and shall require the employee to submit, within such time as may be specified, a written statement whether he admits or denies any or all the articles of charge.

(6) On receipt of the written statement of the employee or if no such statement is received within the time specified, an inquiry may be held by the Disciplinary Authority itself, or by any Enquiring Authority appointed under sub-clause (2):

Provided that it may not be necessary to hold an inquiry in respect of the charges admitted by the employee in his written statement. The Disciplinary Authority shall, however, record its findings on each such charge.

(7) The Disciplinary Authority shall, where it is not the enquiring authority forward to the enquiring authority—

(i) A copy of the article of charge and the statement of imputation of misconduct or misbehaviour;

(ii) a copy of the written statement, if any submitted by the employee;

(iii) a list of witnesses and documents referred to in sub-rule 4;

(iv) evidence proving the delivery of the documents referred to in sub-rule 4;

(v) a copy of the order appointing the Presentation Officer.

(8) The employee shall appear in person before the enquiring authority on such day at such time, not exceeding 15 days from the date of receipt of the articles of charge and at a place as the enquiring authority may be notice in writing specify.

(9) The employee may take the assistance of any other employee (hereinafter called the Assistant Officer) to assist him; in his case but may not engage a legal practitioner for the purpose provided, however, that an employee holding a Class III or Class IV post may engage as his Assistant Officer, if he so desires, any representative of a labour Union, who is himself an employee or retired employee of the Board. However, the employee shall not take the assistance of any other employee or retired employee of the Board, who has two pending disciplinary cases on hand in which he has to give assistance.

(10) If the employee who has not admitted any of the articles of charge in his written statement or has not submitted any written statement, appears before the Enquiring Authority, such authority shall ask him whether he is guilty or has any defence to make and if he pleads guilty to any of the articles of charge, the Enquiring Authority shall record the plea, the record and obtain the signature of the employee thereon. The Enquiring Authority shall return a finding of guilt in respect of those articles of charge to which the employee concerned pleads guilty.

(11) The Enquiring Authority shall, if the employee fails to appear within the specified time or refuses or omits to plead, require the Presentation Officer to produce the evidence by which he proposes to prove the articles of charge and shall adjourn the case to a later date not exceeding 30 days, after recording an order that the employee may, for the purpose of preparing his defence—

(i) inspect, within 5 days of the order the documents specified in the list referred to in sub-rule 4;

(ii) submit a list of witnesses to be examined on his behalf;

(iii) give a Notice within 10 days of the order for the production of any document which are in possession of the Trustees but not in the list referred to in sub-rule 4.

Note — The employee shall indicate the relevance of the documents and witnesses required by him to be produced during enquiry.

(12) The Enquiring Authority shall, on receipt of the Notice for the production of documents, forward the same or copies thereof to the Authority in whose custody or possession the documents are kept, with a requisition for the production of the documents by such date as may be specified in such requisitions:

Provided that the Enquiring Authority may, for reasons to be recorded by it in writing, refuse to requisition such of the documents as are, in its opinion, not relevant to the case.

(13) The Authority, in whose custody or possession the requisitioned documents are, shall arrange to produce the same before the Enquiring Authority, on the date, place and time specified in the requisition notice.

Provided that the authority having the custody or possession of the requisitioned documents may claim privilege if the production of such documents will be against the public interest or the interests of the Board. In that event it shall inform the Enquiring Authority accordingly. The Enquiring Authority shall on being so informed communicate the information to the employee and withdraw the requisition made by it for the production of such document.

(14) On the date fixed for the enquiry the oral and documentary evidence by which the Articles of charge are proposed to be proved shall be produced.
by or on behalf of the Disciplinary Authority. The witnesses shall be examined by or on behalf of the Presenting Officer and may be cross-examined by or on behalf of the employee. The Presenting Officer shall be entitled to re-examine the witnesses on any points on which they have been cross-examined, but not on a new matter, without the leave of the Enquiring Authority. The Enquiring Authority may also put such question to the witness as it thinks fit.

(15) Before the close of the case for the Disciplinary Authority, Enquiring Authority may, at its discretion, allow the Presenting Officer to produce evidence not included in the chargesheet, or may itself call for new evidence or recall or re-examine any witness. In such case the employee shall be given an opportunity to inspect the documentary evidence before it is taken on record or to re-examine witnesses who has been so examined.

(16) When the case for the Disciplinary Authority is closed, the employee may be required to state his defence, orally or in writing, as he may prefer. If the defence is made orally, it shall be recorded and the employee shall be required to sign the record. In other case a copy of the statement of defence shall be given to the Presenting Officer, if any appointed.

(17) The evidence on behalf of the employee shall then be produced. The employee may examine himself in his own behalf if he so prefers. The witnesses produced by the employee shall then be examined and shall be liable for examination, cross-examination and re-examination by the Enquiring Authority according to the provision applicable to the witnesses for the Disciplinary Authority.

(18) The Enquiring Authority may, after the employee closes his case, and shall, if the employee has not examined himself, generally question him on the circumstances appearing against him in the evidence for the purpose of enabling the employee to explain any circumstances appearing in the evidence against him.

(19) The Enquiring Authority may, after the completion of production of evidence, hear the Presenting Officer first and then the employee, or permit them in the same sequence to file written briefs of their respective case within 15 days of the date of completion of production of evidence.

(20) If the employee does not submit the written statement of defence referred to in sub-regulation (3) on or before the date specified for the purpose or does not appear in person, or through the Assisting Officer or otherwise fails to comply with any of the provisions of these regulations, the Enquiring Authority may hold the enquiry ex parte.

(21) Whenever any Enquiring Authority, after having heard and recorded the whole or any part of the evidence in an enquiry, is satisfied and succeeds by another Enquiring Authority which has, and which exercises such jurisdiction, the Enquiring Authority in succeeding may, on the evidence so recorded by its predecessor, partly record by its predecessor and partly recorded by itself:

Provided that if the succeeding Enquiring Authority is of the opinion that further examination of any of the witnesses whose evidence has already been recorded as necessary in the interest of justice, it may recall, examine, cross-examine and re-examine any such witnesses as heretofore provided.

(22) (i) After the conclusion of the enquiry, report shall be prepared and it shall contain—

(a) a gist of the Articles of Charge and the statement of the imputation of misconduct or misbehaviour;
(b) a gist of the defence of the employee in respect of each Article of Charge;
(c) an assessment of the evidence in respect of such Article of Charge;
(d) the findings of each Article of Charge and the reasons therefor.

Provided that the findings on such Article of Charge shall not be recorded unless the employee has either admitted the facts on which such Articles of Charge are based or has a reasonable opportunity of defending himself against such Articles of Charge.

(ii) The Enquiring Authority, where it is not itself the Disciplinary Authority, shall forward to the Disciplinary Authority the records of inquiry which shall include—

(a) the report of the enquiry prepared under sub-clause (i) above;
(b) the written statement of defence, if submitted by the employee referred to in sub-regulation (16);
(c) the oral and documentary evidence produced in the course of the enquiry;
(d) written briefs referred to in sub-regulation (19), if any, and
(e) the orders, if any, made by the Disciplinary Authority and by the Enquiring Authority in regard to the inquiry.

8.A. Action on the enquiry report.—(1) (i) The Disciplinary Authority if it is not itself the Enquiring Authority, may for reasons to be recorded by it in writing, remit the case to the Enquiring Authority for further enquiry and report and the Enquiring Authority shall thereupon proceed to hold further enquiry;

(ii) the Disciplinary Authority shall if it disagrees with the findings of the Enquiring Authority on any Article of Charge, record its reasons for such disagreement and record its own findings on such charge, if the evidence on records is sufficient for the purpose:
(iii) If the Disciplinary Authority, having regard to its findings on all or any of the articles of charge is of the opinion that no penalty is called for, it may pass an order exonerating the employee concerned.

(2) If the Disciplinary Authority, having regard to its findings on all or any of the articles of charge, is of the opinion that any of the penalties as specified in Clauses (i) to (iv) of Regulation 7 should be imposed on the employee, it shall notwithstanding anything contained in Regulation 9, make an order imposing such penalty.

(3) If the Disciplinary Authority, having regard to its findings on all or any of the articles of charge and on the basis of the evidence adduced during the enquiry, is of the opinion that any of the penalties specified in Clauses (v) to (ix) of Regulation 7 should be imposed on the employee, it shall make an order imposing such penalty and it shall not be necessary to give the employee any opportunity of making representation on the penalty proposed to be imposed.

9. Procedure for imposing minor penalties—(1) Subject to the provisions of sub-regulation (4) of Regulation and no order imposing any of the penalties specified in Clauses (i) to (iv) of Regulation 7 shall be passed except after—

(a) informing in writing the employee of the proposal to take action against him and of the imputations of misconduct or misbehaviour on which it is proposed to be taken and given him an opportunity of making any representation he may wish to make against the proposal;

(b) holding an enquiry in the manner laid down in sub-regulations (4) to (22) of Regulation 8, in every case in which the disciplinary authority is of the opinion that such enquiry is necessary;

(c) taking the representation, if any, submitted by the employee under clause (a) and the record of enquiry, if any, held under clause (b) into consideration; and

(d) recording a finding on each imputation of misconduct or misbehaviour.

(2) The record of the proceedings in such cases shall include—

(a) a copy of the intimation to the employee of the proposal to take against him;

(b) a copy of the statement of imputation of misconduct or misbehaviour delivered to him;

(c) his representation, if any;

(d) the evidence produced during the enquiry;

(e) the findings on each imputation of misconduct or misbehaviour; and

(f) the orders or the case together with the reasons therefor.

(4) Notwithstanding the provisions contained in clause (b) of sub-regulation (1), if in a case it is proposed, after considering the representation, if any, submitted by the employee, to withhold increments of pay for a period exceeding 3 years or to withhold increments of pay with cumulative effect for any period or if the penalty of withholding of increments is likely to affect adversely the amount of pension payable to the employee, and enquiry shall invariably be held in the manner laid down in sub-regulation (4) to (22) of Regulation 8, before making any order imposing on the employee any such penalty.

9A. Communications of orders.—Orders made by the disciplinary authority shall be communicated to the employee who shall also be supplied with a copy of the report of the enquiry, if any, held by the disciplinary authority and a copy of its findings on each article of charge, or where the disciplinary authority is not the enquiring authority, a copy of the report of the enquiring authority and a statement of the findings of the disciplinary authority together with brief reasons for its disagreement, if any, with the findings of the enquiring authority.

10. Common Proceedings—Subject to the provision of the Act—

(1) Where two or more employees are concerned in any case, the appropriate Disciplinary Authority competent to impose the penalty of dismissal from service on all such employees may make an order directing that disciplinary action against all of them may be taken in a common proceeding:

Provided that if one of the employees involved in a joint enquiry is holding a post referred to in clause (a) of sub-section (1) of section 24 of the Act, the Disciplinary Authority shall obtain the prior concurrence of the Central Government before ordering the common proceedings.

(2) Any such order shall specify—

(i) the authority which may function as the Disciplinary Authority for the purpose of such common proceedings;

(ii) the penalties specified in regulation 7 under which such Disciplinary Authority shall be competent to impose; and

(iii) whether the procedure prescribed in regulation 8 or regulation 9 may be followed in the proceedings.

11. Special Procedure in certain Cases.—Subject to the provisions of the Act and notwithstanding anything contained in the Calcutta Port Trust Employees’ (Classification, Control and Appeal) Regulations—

(i) where a penalty is imposed on an employee on the ground of conduct which has led to his conviction on a criminal charge; or

(ii) where the Disciplinary Authority is satisfied for reasons to be recorded in writing that it is not reasonably practicable to follow the procedure prescribed in the said regulations and the approval of the Chairman has been obtained.
(iii) where the Chairman is satisfied that in the interest of the security of the State or the Port of Calcutta it is not expedient to follow the procedure, prescribed in the regulations;

(iv) where it is proposed to impose a penalty on all employee on the basis of the findings of an enquiry conducted in accordance with the provisions or Part XII of the Merchant Shipping Act, 1958 (Act 44 of 1958), the Disciplinary Authority or the Chairman in the case may be, may consider the circumstances of the case and pass such orders thereon as deemed fit.

Provided that the approval of the Central Government shall be obtained before passing such orders in relation to an employee covered by clause (a) of sub-section (1) of Section 24 of the Act.

12. Provision regarding officers lent to the Central Government, etc.—(1) Where the services of any employee of the Board are lent to the Central Government, or to a State Government, or to an authority or undertaking subordinate thereto or to a local or other authority (hereinafter in this regulation referred to as “the Lending Authority”), the Borrowing Authority shall have the powers of the appointing authority for the purpose of placing the employee under suspension and of the Disciplinary Authority for the purpose of taking disciplinary proceedings against him:

Provided that the Borrowing Authority shall forthwith inform the Chairman of the circumstances leading to the order of his suspension or the commencement of the disciplinary proceedings, as the case may be.

(2) In the light of the findings in the disciplinary proceedings taken against the employee—

(i) if the Borrowing Authority is of the opinion that any of the penalties specified in clauses (i) to (iv) of Regulation 7 should be imposed on him, it may, after consultation with the Lending Authority, pass such orders on the case as it deems necessary;

Provided that in the event of a difference of opinion between the Borrowing Authority and the Lending Authority, the services of the Employee shall be replaced at the disposal of the Lending Authority:

(ii) if the Disciplinary Authority is of the opinion that any of the penalties specified in clauses (v) to (x) of Regulation 7 should be imposed on him, it shall replace his services at the disposal of the Lending Authority and transmit to it the proceedings of the enquiry for such action as it deems necessary.

PART—V

APPEAL ARISING OUT OF DISCIPLINARY PROCEEDINGS

14. Orders against which no appeals lie—Notwithstanding anything contained in this part, no appeals shall lie against—

(i) any order made by the Central Government;

(ii) any order in appeal or any order in review made by the Chairman;

(iii) any order passed by an enquiring authority in the course of an enquiry under Regulation 8;

(iv) any order of an interlocutory nature or of the nature of a step-in-aid or the final disposal of a disciplinary proceeding other than an order of suspension;

15. Orders against which appeals lie—Subject to provision of Regulation 14, an employee may prefer an appeal against all or any of the following orders, namely:

(i) an order of suspension made or deemed to have been made under Regulation 6;

(ii) an order imposing any of the penalties specified in Regulation 7 made by the disciplinary authority;
(iii) an order, which—

(a) deniers or varies to his dis-advantage his pay, allowances, pension or other conditions of service as regulated by regulations; or
(b) interprets to his dis-advantage the provisions of any such regulations;

(iv) an order—

(a) stopping him at the efficiency bar in the time-scale of pay on the ground of his unfitness to cross the bar;
(b) reverting him while officiating in a higher grade or posts to a lower grade or posts otherwise than as a penalty;
(c) reducing or withholding the pension or denying the maximum pension admissible to him under the regulations;
(d) determining the subsistence and other allowances to be paid to him for the period of suspension or for the period during which he is deemed to be under suspension or for any portion thereof;
(e) determining his pay and allowances—

(i) for the period of suspension, or
(ii) for the period from the date of his dismissal, removal or compulsory retirement from service or from the date of his reduction to a lower grade, post, time-scale or stage in a time-scale of pay to the date of his re-instatement or restoration to his grade or post, or
(f) determining whether or not the period from the date of his suspension or from the date of his dismissal, removal or compulsory retirement, or reduction to a lower grade, post, time-scale of pay or a stage in a time-scale of pay to the date of his re-instatement or restoration to his grade or post shall be treated as a period spent on duty for any purpose.

Explanation: In this regulation—

(i) the expression of “employee” includes a person who has ceased to be in the Boards service;
(ii) the expression “pension” includes additional pension, gratuity and any other retirement benefits.

16. Appellate Authorities:—An employee, including a person who has ceased to be in the Boards service, may prefer an appeal against—

(i) an order of suspension, to the authority to which the authority which made or deemed to have made the order is immediately subordinate,
(ii) an order imposing any of the penalties specified in Regulation 7, to the authority specified in this behalf in the schedule,
(iii) all or any of the orders specified in Regulation 15 to the authority to which an appeal against an order imposing upon him the penalty of dismissal would lie.

17. Appellate Authorities in special circumstances:—Notwithstanding anything contained in Regulation 16,

(i) an appeal against an order in common proceeding shall lie to the authority to which the authority functioning as disciplinary authority is immediately subordinate;
(ii) Where the person who made the order appealed against becomes by virtue of his subsequent appointment as the Chairman an appeal against such order shall lie to the Central Government and the Central Government in relation to that appeal shall be deemed to be the appellate authority for the purpose of this regulation.

18. Period of limitation for appeals:—No appeal preferred under this Part shall be entertained unless such appeal is preferred within a period of two months from the date on which a copy of the order appealed against is delivered to the appellant.

Provided that the appellate authority may entertain the appeal after the expiry of the said period, if it is satisfied that the appellant had sufficient cause for not preferring the appeal in time.

19. Form and Contents of appeals:—(1) Every person preferring an appeal shall do so separately, and in his own name.

(a) The appeal shall be presented to the authority to whom the appeal lies, a copy being forwarded by the appellant to the authority which made the order appealed against.

(b) The appeal shall contain all material statements and arguments on which the
appellant lies, shall not contained any
disrespectful or in proper language, and
shall be complete in itself.

(3) The authority which made the order appealed
against shall, on receipt of a copy of the appeal, forward
the same with its comments, thereto together
with the relevant records to the appellate authority
without any avoidable delay and without waiting for
any direction from the appellate authority.

20. Consideration of appeal.—(1) In the case of an appeal
against an order of suspension, the appellate
authority shall consider whether in the light of
the provisions of Regulation 6 and having regard to
the circumstances of the case, the order of suspension
is justified or not and confirm or revoke the order
accordingly.

(2) In the case of an appeal against an order
imposing any of the penalties specified in Regulation 7
or enhancing any penalty imposed under the said
regulation, the appellate authority shall consider—

(a) Whether the procedure laid down in these
regulations has been complied with, and if not whether such non-compliance
has resulted in the failure of justice;

(b) Whether the findings of the disciplinary
authority are warranted by the evidence on
the record; and

(c) Whether the penalties imposed is adequate,
inadequate or severe, and pass orders—

(i) Confirming, enhancing, reducing or setting
aside the penalty; or

(ii) remitting the case to the authority which
imposed or enhanced the penalty or to
any other authority with such direction
as it may deem fit in the circumstances
of the case.

Provided that—

(i) If the enhanced penalty which the appellate
authority proposes to impose is one of the
penalties specified in clauses (v) to (ix) of
Regulation 7 and an enquiry under Regulation
8 has not already been held in the case,
the appellate authority shall, subject to the
provisions of Regulation 12 itself hold such
enquiry or direct that such enquiry be held
in accordance with the provisions of
Regulation 8 and thereafter, on a consideration
of the proceedings of such enquiry, may
make such orders as it may deem fit;

(ii) if the enhanced penalty which the appellant
authority proposes to impose is one of the
penalties specified in clauses (vi) to (ix) of
Regulation 7 and an enquiry under Regulation
8 has already been held in the case, the
appellate authority shall, may make the orders as it may deem fit; and

(iii) no order imposing an enhanced penalty shall
be made in any other case unless the appellant
has been given a reasonable opportunity,
as far as may be in accordance with the
provisions of Regulation 8, of making a
representation against such enhanced
penalty.

(3) In an appeal against any other order specified
in Regulation 15, the appellate authority shall consider
all the circumstances of the case and make such
orders as it may deem just and equitable.

21. Implementation of orders in appeal.—The
authority which made the order appealed against shall
give effect to the orders passed by the appellate
authority.

22. Notwithstanding anything contained in this part
where the person who made the orders appealed against
becomes, by virtue of his subsequent appointment or
otherwise, the Appellate Authority under Regulation
16, in respect of the appeal against such order, such
person shall forward the appeal to the Authority to
which he is immediately subordinate and such authority
shall, in relation to such appeal, be deemed to
be the Appellate Authority for the purpose of Regulation
22 and 23.

23. Review.—(1) Notwithstanding anything contained
in these regulations—

(i) the Central Government, or

(ii) the Chairman

may at any time, either on its own initiative,
or otherwise, call for the records of any inquiry and
review any order made under these regulations, or
under the regulations of orders or practices repealed
by regulation 26, from which an appeal is allowed,
but no appeal has been preferred, or from which no
appeal is allowed, after consultation with the Central
Government, where such consultation is necessary.
and may—

(a) confirm, modify or set aside the order; or

(b) confirm, reduce, enhance or set aside the
penalty imposed by the order, or impose any
penalty where no penalty has been imposed; or
(c) remit the case to the authority which made the order or to any other authority directing such authority to make such further inquiry as it may consider proper in the circumstances of the case; or

(d) pass such other orders as it may deem fit. Provided that no order imposing or enhancing any penalty shall be made by the reviewing authority unless the employee concerned has been given a reasonable opportunity of making a representation against the penalty proposed and where it is proposed to impose any of the penalties specified in clauses (v) to (ix) of regulation 7 or to enhance the penalty imposed by the order sought to be reviewed, to any of the penalties specified in those clauses, no such penalty shall be imposed except after an inquiry in the manner laid down in Regulation 8 and except after consultation with the Central Government, where such consultation is necessary:

Provided further that no power of review shall be exercised by the Chairman unless—

(i) the authority which made the order in appeal, or

(ii) the authority to which an appeal would lie, where no appeal has been preferred, is himself or is subordinate to him.

(2) No proceeding for review shall be commenced until after—

(i) the expiry of the period of limitation for an appeal, or

(ii) the disposal of the appeal where any such appeal has been preferred.

(3) An application for review shall be dealt with in the same manner as if it were an appeal under these regulations.

PART VI

MISCELLANEOUS

24. Service of orders and notices.—Every order, notice and other process made or issued under these regulations shall be served in person on the employee concerned or communicated to him by registered post.

24A. Power to relax time-limit and to condone delay.—Save as otherwise expressly provided in these regulations, the authority competent under these regulations to make any order may, for good and sufficient reasons or if sufficient cause is shown, exceed the time specified in these regulations for anything required to be done under these regulations or condone any delay.

25. Repeal and savings.—(1) All regulations, rules, resolutions, circulars, notification, directions and orders corresponding to these rules in force immediately before the commencement of these regulations and all directives or orders issued pursuant thereto are hereby repealed:

Provided that—

(a) such repeal shall not affect the previous operation of the said regulations, rules, resolutions, circulars, notifications, directives and orders or anything done or any action taken thereunder;

(b) any proceeding under the said regulations, rules, resolutions, circulars, notifications, directives and orders pending at the commencement of these regulations shall be continued and disposed of as far as may be, in accordance with the provisions of these regulations;

(2) Nothing in these regulations shall operate to deprive any person to whom these regulations apply of any right of appeal which had accrued to him under the regulations, rules, resolutions, circulars, notifications, directives and orders repealed by sub-regulation (1) in respect of any order passed before the commencement of these regulations.

(3) An appeal pending at or preferred after the commencement of these regulations against an order made before such commencement shall be considered and orders thereon shall be passed, in accordance with these regulations.

26. Removal of doubts.—Where a doubt arises as to the interpretation of any of the provisions of these regulations, the matter shall be referred to the Chairman, who shall decide the same.
<table>
<thead>
<tr>
<th>Authority</th>
<th>Penalties</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1. Heads of Departments or</td>
<td>Chairman provided that for such</td>
</tr>
<tr>
<td>employees on pay scales the</td>
<td>employees at Haldia Dock Complex, the Dy.</td>
</tr>
<tr>
<td>maxima of which exceed Rs. 2,400/-</td>
<td>Chairman, Haldia Dock Complex shall also be the</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>disciplinary authority.</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>All provided that no order so far as the same</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>involves suspension of leave, compulsory</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>retirement, removal or dismissal, Head of</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Department, or the incumbent of a post the</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>maximum of the pay scale of which (exclusive of</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>allowances) exceeds Rs. 3,760/- shall have effect</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>until it is approved by the Central Gov. under</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>the proviso contained under section 23(i) of the</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Act.</td>
</tr>
<tr>
<td>2. Employees on scales of pay,</td>
<td>Dy. Chairman</td>
</tr>
<tr>
<td>the maxima of which exceed Rs.</td>
<td>All</td>
</tr>
<tr>
<td>1,679/- but do not exceed Rs. 2,400/-</td>
<td>Chairman</td>
</tr>
<tr>
<td>3. Employees on pay scales, the</td>
<td>Concerned Head of Department at Calcutta &amp; Dy.</td>
</tr>
<tr>
<td>maxima of which exceed Rs. 927/-</td>
<td>General Manager at Haldia and concerned Manager</td>
</tr>
<tr>
<td>but do not exceed Rs. 1,679/-</td>
<td>of Division at Haldia Dock Complex.</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>(a) Concerned Head of Department Dy. Chairman,</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Calcutta and Dy. General Manager at Haldia—All.</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>(b) Manager of Division at Haldia Dock Complex—All</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>except items (vii), (viii) &amp; (ix) of Regulation 7</td>
</tr>
<tr>
<td>4. Employees on pay scales, the</td>
<td>Concerned Head of Department at Calcutta &amp; Dy.</td>
</tr>
<tr>
<td>maxima of which do not exceed Rs.</td>
<td>General Manager at Haldia and concerned Managers</td>
</tr>
<tr>
<td>927/-</td>
<td>of Division at Haldia Dock Complex.</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>(a) Concerned Heads of Departments in Calcutta &amp;</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>Dy. General Manager at Haldia—All.</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>(b) Manager of Division at Haldia Dock Complex—All</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>excepting items (vii), (viii) &amp; (ix) of Regulation 7</td>
</tr>
<tr>
<td>Description of employees</td>
<td>Appointing authority</td>
</tr>
<tr>
<td>----------------------------------------------------</td>
<td>-----------------------------------------------------------</td>
</tr>
<tr>
<td>Heads of Departments and employees on pay scales, the maxima or which exceed Rs. 3,700/-</td>
<td>Central Government in consultation with Chairman</td>
</tr>
<tr>
<td>Employees on pay scales, the maxima of which exceed Rs. 2,400/- but do not exceed Rs. 3,700/-</td>
<td>Chairman, provided that, for such employees at Haldia, the Deputy Chairman, Haldia Dock Complex shall also be the Appointing Authority.</td>
</tr>
<tr>
<td>Employees on pay scales, the maxima of which exceed Rs. 1,679/- but do not exceed Rs. 2,400/-</td>
<td>Deputy Chairman</td>
</tr>
<tr>
<td>Employees on pay scales, the maxima of which do not exceed Rs. 1,679/-</td>
<td>Concerned Head of Department in Calcutta, Deputy General Manager at Haldia</td>
</tr>
</tbody>
</table>
बाहर का राजपत्र
'The Gazette of India'

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खंड 3—भाग (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रकाशित द्वारा अधिकृत
PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 3208/NEW DELHI; WEDNESDAY; APRIL 20; 1988/CHAITRA 31, 1910

दिन में यह इमानदार विषय के बारे में लिखा है विचार के लिए यह जलाप शंकुतांक भर भुगत रहा था।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

कस्बा भरमला परिसर संबंध

(स्थान पता)

नई दिल्ली, 20 मार्च 1988

प्रविष्टता

मार्क. का. तिथि. 174 (च) —केदर ग्रहण, महानगर नामांकन, 1983 (1983 वर्ष 28) का चारा 132 की जगता (1) ने नए स्थान संघर्ष (1) ही विनियमत घरों, इसे अंगेज परिषद के साथ संगठन संस्थापन से विचार करने वाली (सरकारी, संगठन और प्रशासन) सन्मेह संरक्षण, विश्लेषण 1988 का समाप्ति करता है।

अभ्यंग विनियम एवं अवधिक बाराक के भ्रमण में प्रवर्तन की होगी।

[कहानी के माध्यम से, 1983/38 सी. ए. 1]

संयुक्त तारतम्य सरकार

1023 GI/88

(1)
MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT
(Posts Wing)

New Delhi, the 20th April, 1988

NOTIFICATION

G.S.R. 474(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Calcutta Port Trust Employees (Classification, Control and Appeal) First Amendment Regulation, 1988 made by the Board of Trustees for the Port of Calcutta and set out in the Schedule annexed to this notification:

1. Short title and commencement:

(a) These Regulations may be called the Calcutta Port Trust Employees (Classification, Control and Appeal) First Amendment Regulations, 1988.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

YOGENDRA NARAIN, Jr. Secy.

SCHEDULE

Calcutta Port Trust Employees' (Classification, Control and Appeal) First Amendment Regulation, 1988

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) and with sanction of the Central Government under sub-section (1) of Section 124 of that Act, the Board of Trustees for the Port of Calcutta hereby make the following Regulations to amend the Calcutta Port Trust Employees' (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1987.

1. Short title and commencement:

(a) These Regulations may be called the Calcutta Port Trust Employees (Classification, Control and Appeal) First Amendment Regulations, 1988.

2. In the Calcutta Port Trust Employees' (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1987, in Regulation 11, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:

"Provided that the employee may be given an opportunity of making a representation on the penalty proposed under Clause (i);

Provided further that the approval of Central Government shall be obtained before passing such orders in relation to an employee covered by 'Clause (i) of sub-section (1) Section 24 of the Act.'"

NOTE:

The Calcutta Port Trust Employees' (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1987 were published in the Gazette of India vide G.S.R. No. 700(E) dated 10-8-1987.
C.A. 2nd Amendment
REGD. No. D.L.-33004/92

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

साधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खर 3—उप-खर (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रकाशक द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 140] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 27, 1992/CHAITRA 7, 1914

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

ल. 140] वर्ष-दिन, सुबह 7, 1992/साप्टेंबर 7, 1914

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

न. 140] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 27, 1992/CHAITRA 7, 1914

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

नाम—मुख्य परिवहन ग्रामीण
(पत्रकार पत्र)
प्राप्तिपत्र

नई दिल्ली, 27 मार्च 1992

शा. का. न. 372 (प)—केंद्र सरकार महाराष्ट्र म्यास प्राधिकृत, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (i) के अन्तर्गत धारा 124 की उपधारा (i)

इस प्रकार पहुँचाते हुए, कलकत्ता पत्रकार म्यास प्राप्तिपत्र 27 मार्च 1992 की प्रकाशित किया जा रहा है।

2. इस विधि में ग्रामीण पत्रकार से साक्ष्य का राजनीति में प्रकाशित की तारीख का प्रमाण है।

[पत्र. सं. पत्र 12012/3/92 पत्र. ए.—1]

822 GI/92 (1)
2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.


SCHEDULE
Calcutta Port Trust Employees (Classification, Control & Appeal) 2nd Amendment Regulations, 1992

In exercise of the power conferred by Section 28 of M.P.T. Act 1963 (30th of 1963) and with sanction of the Central Government under Sub-Section (i) of Section 124 of that Act, the Board of Trustees for the Port of Calcutta hereby makes the following Regulations to amend the Calcutta Port Trust Employees (Classifications, Control & Appeal) Regulations, 1987.

1. Short Title.—These Regulations may be called the Calcutta Port Trust Employees (Classification, Control & Appeal) Second Amendment Regulations 1992.

2. In the Calcutta Port Trust Employees’ (Classification, Control & Appeal) Regulations 1987—

(a) In Schedule ‘A’ Column 2- & 4 in respect of Serial No. 1 and Column 2 in respect of Serial Nos. 2, 3 & 4 shall be amended as follows:

Sl. No. 1—For Rs. 2400/-, read Rs. 5150/- & for Rs. 3700/-, read Rs. 7225/-.

Sl. No. 2—For Rs. 1679/- and Rs. 2400/-, read Rs. 5150/-.

Sl. No. 3—For Rs. 927/- and Rs. 1679/-, read Rs. 2800/-.

Sl. No. 4—For Rs. 927/-, read Rs. 2800/-.

(b) In Schedule ‘B’, the column relating to description of employees in respect of Serial Nos. 1, 2, 3 & 4 shall be amended as follows:

Sl. No. 1—For Rs. 2800/-, read Rs. 7225/-.

Sl. No. 2—For Rs. 2400/-, read Rs. 5150/-.

Sl. No. 3—For Rs. 1679/- and Rs. 2400/-, read Rs. 5150 & Rs. 7225/- respectively.

Sl. No. 4—For Rs. 1679/- and Rs. 2400/-, read Rs. 5150 & Rs. 7225/- respectively.

Sl. No. 5—For Rs. 927/-, read Rs. 1679/-.

Sl. No. 6—For Rs. 927/-, read Rs. 2800/-.

Sl. No. 7—For Rs. 927/-, read Rs. 2800/-

Sl. No. 8—For Rs. 927/-, read Rs. 2800/-.

Note:—

The principal Regulations i.e. the Calcutta Port Trust Employees’ (Classification, Control & Appeal) Regulations, 1987 were published in the Gazette of India vide G.S.R. 700(E) dated the 10th August 1987. The Calcutta Port Trust Employees (Classification, Control & Appeal) 1st Amendment Regulations, 1988 were also published in the Gazette of India extra ordinary vide G.S.R. No. 474(E) dated the 70th April, 1988.
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

साधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई दिल्ली, फरवरी, मार्च 26, 2004/चैत्र 6, 1926

New Delhi, Friday, March 26, 2004/Chaitra 6, 1926

पीट परिवहन मंत्रालय

( पत्र 4)

अधिनियम

नई दिल्ली, 26 मार्च, 2004

स.का.प्र. 223(30).—केंद्रीय सरकार, महापालि न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 के उपरांत (1) के साथ पाठ 124 की उपाधि (1) हार्दिक प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोलकाता पत्रन न्यास के न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस अधिनियम के

2. ये विनियम इस अधिनियम के राजनीति में प्रकाशित होने को शास्त्री से लाते होंगे।

अनुसूची

सीटी कर्मचारी (वर्गीकरण नियंत्रण व अपील) तृतीय संशोधन विनियम, 2004

मान. अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा उसी अधिनियम की धारा 124 की उपाधि (1) के तहत केंद्रीय सरकार की मंजूरी के साथ कोलकाता पत्रन के न्यासी मंडल सी पी टी कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) विनियम, 1987 का संशोधन कर एवं द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाते हैं।

1. संशोधन शीर्षक

इन विनियमों को सीटी कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण व अपील) तृतीय संशोधन विनियम, 2004 का जा लोकेता।

1029 03/04
(क) कविता नाम स्वास कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण व अन्य) विनियम, 1987 में -

(ख) विनियम 8(22)(iii) को इस प्रकार शामिल किया जाएगा:

विनियम 8(22)(iii) - जब कभी याचिका अन्तर्दृष्टिक निर्देश प्राप्त होता है कि कोई दोषी को सभी दोषी या किसी एक आरोप का दोषी ठहराते हुए लिखते हैं जिन्हें विशेष रुप से कार्य के लिए कोई बहुत अच्छा व समय के लिए कोई न हो या न हो, तो दोषी ऐसे रिपोर्ट की एक प्रतिलिपि पाने का हकदार है तकि अगर चाहे तो वह उसके रिपोर्ट के लिए रिपोर्ट की प्रति की तिथि से 15 दिनों के भीतर अनुसारक अधिकार के हस्त अधिकृत करने का अधिकार प्राप्त कर सके।

(ग) विनियम 8 के (1)(1) को निम्नलिखित द्वारा प्रस्तावित किया जाएगा:

अनुसार 11, प्राप्तकरण प्राप्त या उपर्युक्त या प्राप्त होते हैं तो वे जाँच रिपोर्ट का दोषी के लिए लिखे होंगे। अगर उसके अनुसारक पर नवायत के कारणों को लिखते हैं तब करने के उपरांत आगे की जाँच व रिपोर्ट के लिए जाँच प्राप्तकरण को प्रेषित कर सकते हैं तथा जाँच प्राप्तकरण तद्दृष्टिक प्राप्त प्राप्त आगे के कारण के लिए बढ़ सकते हैं।

(घ) विनियम 8 के [3] में शब्द "अन्य का को अंतिम पद्धति में शब्द "किती" के नाम तथा शब्द "जनरल" के पहले शामिल किया जा सकता है।
<table>
<thead>
<tr>
<th>प्रारंभिक स्तर</th>
<th>विनियम</th>
<th>सभी पद के लिए सामरिक सरकार के लिए विशेष स्थिति</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>(3) अन्य सभी घरी-1 व श्रेणी-1 के पद जो क्रम सं1 तथा 2 में सममित नहीं हैं।</td>
<td>उपाध्याय सभी अध्याय</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>(4) श्रेणी-III</td>
<td>विभागाध्याय सभी उपाध्याय</td>
<td>केडीएस/ जी एम</td>
</tr>
<tr>
<td>(5) श्रेणी-IV</td>
<td>विभागाध्याय सभी उपाध्याय</td>
<td>केडीएस/ जी एम</td>
</tr>
<tr>
<td>क्र. नं.</td>
<td>कर्मचारी का नियुक्ति</td>
<td>नियुक्ति निरीक्षक</td>
</tr>
<tr>
<td>--------</td>
<td>------------------</td>
<td>--------------------</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>महापत्तन न्यास अधिनियम 1963 की घारा 24 की उप-घारा [1] के खंड [क] द्वारा पूरीत पद</td>
<td>केंद्रीय सरकार</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>म.प. नू. अधिनियम, 1963 की घारा 24[1]क[क]द्वारा पूरीत वे पदों के अलावा श्रेणी-1 पद जिनका नियुक्ति नियम से क्रम: 2 तर्क /धारा स्तर अधिक है या रेडीएस/एक्सडीएस के कर्मचारियों के मामले में अधिक हो</td>
<td>अध्याय 1</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>श्रेणी-1 व श्रेणी-11 के अन्य सभी अधिकारी</td>
<td>उपाध्यक्ष [ह/क]</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>श्रेणी-11 व अवधी</td>
<td>कोलकाता नेशनल प्रख्याति विभाग परीक्षा संस्था नेशनल परिषद परीक्षा में महापर्याप्त</td>
</tr>
</tbody>
</table>

[मिस्रिल सं. पूर्वाकांत-12016/6/98-सह-1]

ध्यान : आर के. जैन, संपुर्ण साहित्य

MINISTRY OF SHIPPING
(Ports Wing)
NOTIFICATION
New Delhi, the 26th March, 2004

G.S.R. 223(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 124, read with Sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Kolkata Port Trust Employees' (Classification, Control and Appeal) Amendment Regulations, 2004 made by the Board of Trustees of Kolkata Port Trust as set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said Regulations shall come into force from the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

CPT EMPLOYEES' (CLASSIFICATION, CONTROL & APPEAL)
3RD AMENDMENT REGULATIONS, 2004

In exercise of powers conferred by Section 28 of MPT Act, 1963 (38 of 1963) and with sanction of the Central Government under Sub-Section (1) of Section 124 of that Act, the Board of Trustees for the Port of Calcutta hereby makes the following Regulations to amend the CPT Employees' (Classification, Control & Appeal) Regulations, 1987.

1. Short Title -

These Regulations may be called the CPT Employees' (Classification, Control & Appeal) Third Amendment Regulations, 2004.

2. In the Calcutta Port Trust Employees' (Classification, Control & Appeal) Regulations, 1987 -

(a) In Regulation 4, Classification of posts

(i) The figures “Rs.1980/-” appearing in Clause (1) (b) shall be substituted by “Rs.15100/- (or as may be revised from time to time)”.

(ii) The figures “Rs.1679/-” and “Rs.1980/-” appearing in Clause (2) (a) shall be substituted by “Rs.11975/- (or as may be revised from time to time)” and “Rs.15100/- (or as may be revised from time to time)” respectively.

(iii) The figures “Rs.927/-” and “Rs.1679/-” appearing in Clause 3(a) shall be substituted by “Rs.7330/- (or as may be revised from time to time)” and “Rs.11975/- (or as may be revised from time to time)” respectively.

(iv) The figure “Rs.927/-” appearing in Clause (4) shall be substituted by “Rs.7330/- (or as may be revised from time to time)”. 
A new Regulation viz. Regulation 8 (22) (iii) shall be inserted as follows:

Regulation 8(22)(iii) – Whenever the enquiry officer has furnished a report to the disciplinary authority at the conclusion of the enquiry holding the delinquent guilty of all or any of the charges with proposal for any particular punishment or not, the delinquent is entitled to a copy of such report for having an opportunity to make a representation if any, against said report before the disciplinary authority within fifteen days from the date of receipt of said report.

Provided that no such report is required to be given to the delinquent if the enquiry is conducted by the disciplinary authority himself.

Regulation 8A(1)(i) shall be substituted by following:

“The disciplinary authority if it is not itself the enquiry authority, may on perusal of the enquiry report and representation, if any, of the delinquent, remit the case to the enquiring authority, for further enquiry and report after recording its reasons in writing and the enquiring authority shall thereupon proceed to hold further enquiry as per Rule”.

In Regulation 8(A)(3) word “further” may be inserted in the last line after the word “any” and before the word “opportunity”.

Schedule A & B will be replaced by the following:

### Schedule A

<table>
<thead>
<tr>
<th>Sl.No.</th>
<th>Category of Employees</th>
<th>Authority competent to impose penalties and penalties which it may impose (with reference to clauses (i) to (ix) of Regulation (7))</th>
<th>Appellate Authority</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>Posts covered by Clause (a) of Sub-section (1) of Section 24 of Major Port Trusts Act, 1963.</td>
<td>Chairman (i) to (iv) Central Govt.</td>
<td>Central Govt.</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>Class-I posts other than those covered by Section 24 (1)(a) of MPT Act, 1963 having pay scales two levels/four levels above Class-I entry scale or higher in respect of employees of KDS/HDC respectively.</td>
<td>Dy. Chairman (i) to (v) Chairman All</td>
<td>Chairman Central Govt.</td>
</tr>
<tr>
<td>Sl.No.</td>
<td>Description of employee</td>
<td>Appointing authority</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>-------</td>
<td>----------------------------------------------------------------------------------------</td>
<td>--------------------------------------------------------------------------------------</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>1</td>
<td>Posts covered by Clause (a) of Sub-section (1) of Section 24 of Major Port Trusts Act, 1963</td>
<td>Central Government</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>Class-I posts other than those covered by Section 24 (1)(a) of MPT Act, 1963 having pay scales two scales two levels/four levels above Class-I entry scale or higher in respect of employees of KDS/HDC respectively.</td>
<td>Chairman</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>All other officers of Class I &amp; Class II</td>
<td>Dy.Chairman (H)/(K)</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>Class III &amp; IV</td>
<td>Heads of Departments in Kolkata Dock System and General Managers in Haldia Dock Complex.</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

Note: The principal Regulations i.e. the Calcutta Port Trust Employees’ (Classification, Control & Appeal) Regulations, 1987 were published in the Gazette of India vide G.S.R. No.700(E) dated the 10th August, 1987. The Calcutta Port Trust Employees’ (Classification, Control & Appeal) 1st Amendment Regulations, 1988 were also published in the Gazette of India, extra ordinary vide G.S.R. No.474(E) dated the 20th April, 1988 and Calcutta Port Trust Employees’ (Classification, Control & Appeal) Second Amendment Regulations, 1992 were published in the Gazette of India, Extraordinary vide G.S.R. No.372(E) dated 27th March, 1992.
भारत का राजपत्र
The Gazette of India

संपादक

सभा परिषद, सदस्य परिषद और राजभाषा मंडल
(भोज परिषद विभाग)
(संपादन पाठ)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मई, 2006

संसदविभाग 284 (अ.)—कान्तिर संस्करण, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के अनुसार नियुक्त धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए, कोलकाता पत्तन के न्यासी मंडल द्वारा नाम रखा गया एवं इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुमोदी में दर्शित कोलकाता पत्तन न्यास कर्मचारी (वर्गीकरण, निर्मण एवं अपील) संस्थापन विनियम 2006 का अनुमोदन करती है।

2. ये विनियम इस अधिसूचना के रूपमें प्रकाशित होने की तारीख से समू संन्यास होगा।

अनुमोदी

कोलकाता पत्तन न्यास कर्मचारी (वर्गीकरण, निर्मण एवं अपील) (चतुर्थ संस्थापन) विनियम, 2006

यह पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का अधिनियम 38) की धारा 124 में साथ परिषद धारा 28 के संदर्भ (व) के द्वारा प्रदत्त दिशानियों का उपयोग करते हुए, कोलकाता पत्तन का न्यासी मंडल प्रदत्त कोलकाता पत्तन न्यास कर्मचारी (वर्गीकरण, निर्मण एवं अपील) विनियम 1987 में संस्थापन हेतु निर्माणित विनियम बनाया है।

1. सहीत नाम और प्रारंभ इन विनियमों का नाम कोलकाता पत्तन न्यास कर्मचारी (वर्गीकरण, निर्मण एवं अपील) चतुर्थ संस्थापन विनियम 2006 होगा तथा ये साधारण उपाधि में प्रकाशित को विधि से समू होगा।

2. कोलकाता पत्तन न्यास कर्मचारी (वर्गीकरण, निर्मण एवं अपील) विनियम 1987 को अव से कोलकाता पत्तन न्यास कर्मचारी (वर्गीकरण, निर्मण एवं अपील) विनियम 1987 के नाम से जाना जाएगा।
3. कलकत्ता पलन व्यास कर्मचारी (सरकारी, नियंत्रित न अन्तर्गत), नियुक्ति 1987 में

(क) नकलकत्ता शाखा को, जहां भी यह प्रकट हो, कॉलेक्टर से प्रतिस्पर्धित किया जाएगा।

(ख) नियुक्ति उप-डीक्स (vi) को नियुक्ति-3 के पश्चात शासित किया जाएगा।

(ग) नियुक्ति उप-डीक्स (vii) या (viii) को नियुक्ति 6 के पश्चात शासित किया जाएगा।

(vii) इस नियुक्ति के अंतर्गत जिनने निर्देश आदेश या इस नियुक्ति के अंतर्गत किए गए प्रतिशोध किए हो, जिन्हें ऋण गद्दि के समय, साधन प्राप्त करने पर निर्देश को संरक्षित या प्रतिस्पर्धित करने के लिए को जानी चाहिए, जो निर्देश की आदेश के तार्किक से रूप दिखाई देते हैं। निर्देश को समाप्ति के पूर्व ही अनुशासन समीक्षा की बिना निर्देश की अवधि का विषय का एहट का समय में एक सी सबसे बुरी दिनों से अधिक नहीं लि कार्य।

(viii) उप-नियुक्ति (v) या (vi) में किसी व्यक्ति के होने ही भी इस नियुक्ति के उप-नियुक्ति (i) या (ii) के तहत प्रविष्ट किए गए निर्देश के किसी आदेश या प्रविष्ट किए गए आदेशों को हाल हेतु ऋण गद्दि को अवधि के परामर्श तब तक तैयार नहीं होती हैं। जब तक इस समय तक इसका विषय के अवधि के बावजूद तब भी दिनों की समाप्ति के पूर्व ही नहीं किया जा सकता।

[फा. स. पी आर-12016/32/2005 की है-1]

प. क. भारता, संयुक्त सचिव

टिपणी : मुख्य नियुक्तियों को दिनांक 10 अगस्त 1987 के भाव के उद्घाटन संक्रमण नं. 700(3) के तहत प्रकाशित किया गया था। प्रामुख्य में संरक्षित नियुक्ति का प्रकाशित दिनांक 20 अगस्त 1988 के संक्रमण नं. 474(3) के तहत किया गया था, तथा हितियार संरक्षित नियुक्ति का प्रकाशित 27 मार्च 1992 के संक्रमण नं. 372(3) के तहत किया गया था। तथा हितियार संरक्षित नियुक्ति का प्रकाशित 26 जुलाई 2004 के संक्रमण नं. 223 (3) के तहत किया गया था।

MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

(Department of Shipping)

(PORTS WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th May, 2006

G.S.R. 284 (E)—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 124, read with Sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Kolkata Port Trust Employees (Classification, Control and Appeal) Amendment Regulations, 2006 made by the Board of Trustees of Kolkata Port Trust as set out in the Schedule annexed to this Notification.

The said Regulations shall come into force from the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

Calcutta Port Trust Employees' (Classification, Control and Appeal) 4th Amendment Regulations, 2006

In exercise of the powers conferred by Clause (b) of Section 28 read with Section 124 of the Major Port Trusts Act, 1963 (Act. 38 of 1963), the Board of Trustees for the Port of Kolkata hereby makes the following Regulations to amend the Calcutta Port Trust Employees' (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1987.

1. Short title and commencement—These Regulations shall be called Kolkata Port Trust Employees (Classification, Control and Appeal) 4th Amendment Regulations, 2006 and shall come into effect from the date of publication in the official Gazette.
2. The Calcutta Port Trust Employee’s (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1987 shall Henceforth be known as Kolkata Port Trust Employee’s (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1987.

3. In the Calcutta Port Trust Employee’s (Classification, Control and Appeal) Regulation, 1987,

(a) The word ‘Kolkata’ will replace ‘Calcutta’ wherever appearing.

(b) The following Sub-clause (vi) shall be inserted after Regulation 3:

"Review Committee shall mean a committee constituted by the Board of Trustees for review of cases of suspension"

(c) The following Sub-clauses (vii) and (viii) shall be inserted after Regulation 6:

"(vii) An order of suspension made or deemed to have been made under this regulation shall be reviewed by the authority competent to modify or revoke the suspension, before expiry of ninety days from the date of order of suspension, on the recommendation of the Review Committee constituted for the purpose and pass orders either extending or revoking the suspension. Subsequent reviews shall be made before expiry of the extended period of suspension. Extension of suspension shall not be for a period exceeding one hundred and eighty days at a time.

(viii) Notwithstanding anything contained in Sub-regulation (v) and (vi), and order of suspension made or deemed to have been made under Sub-regulations (i) or (ii) of this regulation shall not be valid after a period of ninety days unless it is extended after review, for a further period before the expiry of ninety days."

[F. No. PR-12016/32/2005 PE-1]

A. K. BHALLA, Jt. Secy.

Note:— The principal regulations were published in the Gazette of India vide G.S.R. 700(E) dated the 10th August 1987. The 1st Amendment regulation was published vide G.S.R. 474(E) dated the 20th April, 1988, the 2nd Amendment regulation was published vide G.S.R. 372(E) dated 27th March 1992 and the 3rd Amendment Regulation was published by G.S.R. 223(E) dated 26th March 2004.
MINISTRY OF SHIPPING
(PORTS WING)
CORRIGENDUM

New Delhi, the 25th October, 2010

G.S.R. 856(E).—In the Notification (English version) of the Government of India in the Ministry of Shipping, Road Transport and Highways number GSR 284(E), dated 12th May, 2006 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-Section (i), dated 12th May, 2006, of Calcutta Port Trust Employees’ (Classification, Control and Appeal) 4th Amendment Regulations, 2006—

(i) At page 2 under the Heading ‘Schedule’, in place of the word “Amendment” written in the title of the Regulations read “Amendment”.

(ii) At page 3 in line 1, in place of the word “Henceforth” read “henceforth”.

(iii) At page 3 in line 15 [i.e. 1st line of point (3)(c)(viii)], in place of the word “and” read “an”.

(iv) At second last line of page 3 (i.e. 3rd line of Note), in place of the word “27th” read “27th”.

[F. No. PR- 12016/32/2005-PE-I]

RAKESH SRIVASTAVA, Jt. Secy.
भारत का राजपत्र
The Gazette of India

अधिकारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

पोत परिवहन मंत्रालय
(पत्र 36)
अधिसूचना
नई दिल्ली, 3 मई, 2013

साक्षरता, 289(अ)—महाद्वीप न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उप-धारा (1) के साथ पंडत धारा 124 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त साक्षरताओं का उपयोग करते हुए, संशोधन राष्ट्रीय, एल्ट्रातालिक पत्ता के नथा में मेला द्वारा बनाए गए कोलकाता पत्ता न्यास कर्मचारी (वकीलरण, नियंत्रण और अपील) संशोधन नियम, 2013 को इस अधिनियम के साथ संलग्न अनुसूची के अनुसार, अनुसूचित करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिनियम के संस्करण राजन में प्रकाशन के लाई होगी होगी।

एन. मुगलनदास, संवेदनार्थ

अनुसूची
कोलकाता पत्ता न्यास कर्मचारी (वकीलरण, नियंत्रण और अपील)
संशोधन नियम, 2013

महाद्वीप न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28 के द्वारा प्रदत्त साक्षरताओं का उपयोग करते हुए तथा उस अधिनियम की धारा 124 की उप-धारा (1) के तहत केंद्र सरकार की मंजूरी से कोलकाता पत्ता का न्यासी में एल्ट्रातालिक कोलकाता पत्ता न्यास कर्मचारी (वकीलरण, नियंत्रण और अपील), नियम 1987 में संशोधन हेतु निरनिरंतर नियम बनाया है।

1. संस्क्रिति नाम

इस विनियमों का नाम कोलकाता पत्ता न्यास कर्मचारी (वकीलरण, नियंत्रण और अपील) संशोधन नियम, 2013 होगा। वे सरकारी राजन में प्रकाशन की सिधि से प्रारंभ होगे।

2. कोलकाता पत्ता न्यास कर्मचारी (वकीलरण, नियंत्रण और अपील), नियम 1987 का नियम 8(9) के स्थान पर निरनिरंतर रखा जाएगा—

कर्मचारी अपने पत्ते में मामलों को प्रस्तुत करते हुए किसी अन्य कर्मचारी (इसके अलावा सहायक अधिकारी कहलाएगा) की सहायता नहीं लेते हैं लेकिन इस उद्देश्य के लिए किसी व्यक्ति को उक्त उद्देश्य हेतु तैयार नहीं कर सकता, जब तक कि अनुदान अनुसूचक प्रधानकारी द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि प्रधानकारी पक्षों नहीं अधिकार मामलों की परिस्थितियों के मद्देश से अनुशासन अनुसार प्रधानकारी द्वारा ऐसी अनुमति दी जाए।
G.S.R. 289(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124, read with sub-section (1) of Section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Kolkata Port Trust Employees’ (Classification, Control and Appeal) Amendment Regulations, 2013 made by the Board of Trustees for the Kolkata Port as set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said Regulations shall come into force from the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

[N. MURUGANANDAM, Jt. Secy.]

SCHEDULE

Kolkata Port Trust Employees’ (Classification, Control & Appeal) Amendment Regulations, 2013

In exercise of the power conferred by Section 28 of M.P.T. Act, 1963 (38 of 1963) and with sanction of the Central Government under sub-section (i) of Section 124 of that Act, the Board of Trustees for the Port of Kolkata hereby makes the following Regulations to amend the Kolkata Port Trust Employees’ (Classification, Control & Appeal) Regulations, 1987.

1. Short Title.—These Regulations may be called the Kolkata Port Trust Employees’ (Classification, Control & Appeal) Amendment Regulations, 2013. They will come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Regulation 8(9) of the Kolkata Port Trust Employees’ (Classification, Control & Appeal) Regulations, 1987 shall be substituted by the following:

The employee may take the assistance of any other employee (hereinafter called Assisting Officer) to present the case on his behalf, but may not engage a legal practitioner for the purpose, unless the Presenting Officer appointed by the Disciplinary Authority is a legal practitioner, or, the Disciplinary Authority, having regard to the circumstances of the case, so permits:

Note—The employee shall not take the assistance of any other employee who has [three] pending disciplinary cases on hand in which he has to give assistance.

The employee may also take the assistance of a retired employee to present the case on his behalf, subject to such conditions as may be specified by the Board from time to time by general or special order in this behalf.

Foot Note: The principal regulations were published in the Gazette of India vide G.S.R. 700(E), dated the 10th August, 1987. The 1st Amendment Regulations was published vide G.S.R. 474(E), dated the 20th April, 1988, the 2nd Amendment Regulation was published vide G.S.R. 372(E), dated 27th March 1992, the 3rd Amendment Regulation was published by G.S.R. 223(E), dated 26th March 2004, the 4th Amendment Regulation was published by G.S.R. 284(E), dated 12th May, 2006 and the 5th Amendment Regulation was published by G.S.R. 769(E), dated 10th October, 2011.